পাঠ पाठ 13

কিতাপ বিচাৰি

মি. শুক্লা : মহাশয়, স্পয়াত অসমীয়া কিতাপ আছে নে? মস্প এখন প্ৰাথমিক অসমীয়া পাঠ্যপুথি চাব খোজোঁ।

মি. গোস্বামী : সেস্পফালে সোমাস্প যাওক। সৌবোৰ 'আদি পাঠ', 'কুঁহি-পাঠ', 'মৌকোঁহ'। আপোনা-লোকে আন পুথিও চাব পাৰিব। সোঁফালে সেস্পবোৰ হিন্দী কিতাপৰ ৰেক। বাওঁফালে এস্পবোৰ স্পংৰাজী কিতাপ। আপোনালোকক কি লাগে নিজে চাওক।

* * * *

(কিতাপ চোৱাৰ পাছত)

মি. শুক্লা : আমাক অসমীয়া শিকিবৰ কাৰণে সহায়ক পুথি লাগে।

কিন্তু এনে পুথি তাত নাস্প। আপুনি কৰবাৰ পৰা

पुस्तक की खोज में

मि. शुक्ला : श्रीमान जी, क्या यहाँ असमिया की पुस्तकें मिल जाएँगी? मुझे असमिया सीखने के लिए प्रवेशिका चाहिए।

मि. गोस्वामी : उधर जाइए। वहाँ 'आदिपाठ', 'कुँहिपाठ', 'मौ कौंह' (आदि) हैं। वहाँ आप अन्य पुस्तकें भी देख सकेंगे। दाईं ओर हिंदी पुस्तकों के रैक हैं और बाईं ओर अंग्रेज़ी की पुस्तकें हैं। जो भी चाहें देख सकते हैं।

* * * *

(पुस्तकें देखने के बाद)

मि. शुक्ला : मुझे असमिया सीखने की प्रवेशिका चाहिए। ऐसी कोई

पुस्तक वहाँ नहीं है। आप कहीं से मँगवा सकते हैं क्या?

আনি দিব পাৰিবনে?

মি. গোস্বামী : কিয় নোৱাৰিম? অলপ আগধন দিব লাগিব। আপোনালোকক আৰু কিবা লাগিব?

মি. মহালিংগমঃ মোক এখন অসমীয়া-হিন্দী অভিধান লাগে। এখন অসমীয়া ব্যাকৰণো লাগে।

মি. গোস্বামী : আপোনালোক অলপ বহিব লাগিব। মই ভিতৰত বিচাৰি চাওঁ।

* * * * * *

মি. গোস্বামী : এই কেইখন কিতাপ এতিয়া নাই। কিন্তু আপোনালোকেতো সুন্দৰ অসমীয়া কব পাৰে। এইবোৰ এতিয়া আপোনা-লোকক কিয় লাগে?

মি. শুক্লা : মই কবহে পাৰোঁ। কিন্তু মই লিখিবও নোৱাৰোঁ, পঢ়িবও নোৱাৰোঁ।

मि. गोस्वामी : क्यों नहीं? थोड़ा अग्रिम देना होगा। आप को और कुछ चाहिए क्या?

मि. महालिंगम : मुझे एक असमिया-हिन्दी कोष चाहिए। एक असमिया व्याकरण की पुस्तक भी चाहिए।

मि. गोस्वामी : आपलोगों को थोड़ा इंतज़ार करना पड़ेगा। मैं देखकर बता सकूँगा।

* * * * * *

मि. गोस्वामी : माफ कीजिए। इनमें से एक भी नहीं है। किन्तु आपलोग तो अच्छी असमिया बोल लेते हैं। ये सब आपलोगों को क्यों चाहिए?

मि. शुक्ला : मैं केवल बोल लेता हूँ। किन्तु लिख नहीं पाता, पढ़ भी नहीं सकता।

মি. মহালিংগমঃ মোৰো একেম্প দশা। ময়ো অসমীয়াত নিৰক্ষৰ।	मि. महालिंगम : मेरा भी यही हाल है। एक तरह से असमिया में मैं निरक्षर हूँ।
মি. গোস্বামী : আপোনালোকে ঠিকেম্প ভাবিছে। আপোনালোক সোমবাৰে আহিব পাৰিবনে? ম্পতিমধ্যে মম্প এম্প কিতাপখন কেম্পখন গোৗম্প থম।	मि. गोस्वामी : आप लोग ठीक ही कह रहे हैं। ऐसा कीजिए, आपलोग अगले सोमवार को आ जाइए। इसी बीच में मैं उन्हें मँगवा लूँगा।
মি. শুক্লা : ভাল বাৰু, ধন্যবাদ।	मिं. शुक्ला : जरूर। धन्यवाद।
মি. গোস্বামীঃ ধন্যবাদ, আকৌ আহিব।	मि. गोस्वामी : धन्यवाद! फिर आइए।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
প্ৰাথমিক	प्राथमिक/प्रवेशिका
পুথি	पुस्तक
সেম্পফালে	उधर
সোমাম্প	घुसकर
সৌবোৰ	वे
কুঁহি	कोमल, किशलय
মৌ	मधु
কোঁহ	कोश

শিকিবৰ কাৰণে	सीखने के लिए
সহায়ক	सहायक
কৰবাৰ পৰা	कहीं से
আগধন	अग्रिम
দিব লাগিব	देना होगा
অভিধান	कोश
ব্যাকৰণ	व्याकरण
ভিতৰত	भीतर में
সুন্দৰ	सुन्दर
কব পাৰে	बोल सकते हैं
এম্পবোৰ	ये सब
কবহে পাৰোঁ	बोल ही सकता हूँ
লিখিব নোৱাৰোঁ	लिख नहीं सकता
পঢ়িবও নোৱাৰোঁ	पढ़ भी नहीं सकता
ভাবিছে	सोच रहे हैं
সোমবাৰে	सोमवार को
ম্পতিমধ্যে	इसी बीच में
গৌাম্প থম	संग्रह करूँगा

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) মম্প এখন অসমীয়া পুথি চাওঁ।

⟶ মম্প এখন অসমীয়া পুথি চাব খোজোঁ।

1. মম্প কাম্পলৈ গুৱাহাঁটীলৈ যাওঁ।
2. তেওঁ চিনেমাখন চাম্পছে।
3. মম্প স্পয়াত বহোঁ।
4. আমি ভাত খাওঁ।
5. আমি এতিয়া গান গাওঁ।

(খ) আপুনি অলপ বহক।

⟶আপুনি অলপ বহিব লাগিব।

1. আপুনি তালৈ যাওক।
2. তম্প একাপ খা।
3. আপুনি কিতাপখন দিয়ক।
4. তুমি আমাৰ স্পয়াত ভাত খোৱা।
5. তেওঁ নিজে কিতাপ কেম্পখন চাওক।
6. আপুনি আগধন দিয়ক।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए:

1. আপোনাক কিবা __________ নেকি? (লাগিছে, লাগিব)
2. আপুনি আনিব __________ নে? (পাৰিব, লাগিব)
3. মম্প অসমীয়া লিখিব __________ ।

   (নাপাৰোঁ/নোৱাৰোঁ)
4. তুমি অহা সোমবাৰে আহিব __________ নে? (পাৰিছা, পাৰিবা)

5. মম্প কেলেম্প কব ____________? (নোৱাৰিম, নোৱাৰোঁ)

6. মম্প ভিতৰলৈ সোমাব ________ নে? (পাৰোঁ. খোজোঁ)

III. सही शब्द चुनकर शब्दों की जोड़ी बनाइए।

চোৰা	পম্পছা
কাম	বস্তু
দিনক	চিতা
বয়	কাজ
টকা	দিনে

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মি. শুক্লাম্প কি চাব খোজে?
2. মি. শুক্লাৰ প্ৰয়োজনীয় বস্তু গোস্বামীৰ দোকানত আছেনে?
3. মি. মহালিংগমক সেম্প কিতাপবোৰ কিয় লাগে?
4. মি. শুক্লাম্প অসমীয়া কব পাৰেনে?
5. মি. মহালিংগমে অসমীয়া লিখিব পঢ়িব পাৰেনে?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বাংলা হাতপুথি দিয়া এখন

→ এখন বাংলা হাতপুথি দিয়া।

1. ম্পংৰাজী কাষত ৰেক কিতাপৰ বাংলা আছে কিতাপৰ
2. ভাল কব আপোনালোকেতো পাৰে বাংলা
3. দিল্লীৰ মম্প আনিম কিতাপ কেম্পখন পৰা
4. অভিধান অসমীয়া মোক এখন দিয়া

VI. **उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :

জিম কৰবৈ এজন বিখ্যাত চিকাৰী আছিল।

→ জিম কৰবৈ কোন আছিল?

→ জিম কৰবৈ ক'ত চিকাৰ কৰিছিল?

→ জিম কৰবৈ কুমায়ুন ৰেঞ্জত কি কৰিছিল?

→ জিম কৰবৈ কুমায়ুন ৰেঞ্জত চিকাৰ কৰিছিল।

1. আকবৰ এজন মোগল সম্রাট আছিল
2. গোস্বামীৰ দোকানত কিতাপ পোৱা যায়

पढ़िए और समझिए।

খোৱাৰ পৰত (भोजन के समय)

মীনা, ৰীণা, পুতুল আৰ মাক খোৱা মেজত বহিল। প্রথমতে মীনাম্প অলপ ভাত খুজিলে। তাম্প অলপ তেতেলীও খাব বিচাৰিলে। ৰীণাম্প অলপমান আচাৰ বিচাৰিলে। মাক চকীৰ পৰা উঠিল। তেনেতে পুতুলে কাঁম্পৌ পেলাবৰ কাৰণে সৰু কাঁহি এখন আৰু মীনাম্প অমলৌ খাবৰ বাবে এখন কৗা চামুচ বিচাৰিলে। মাকে সিহঁতক অলপ সময় ৰবলৈ কলে। কাৰণ

বাহিৰত কৌা চামুচও নাম্প সৰু কাঁহীও নাম্প। সেম্পবিলাক আলমাৰীতহে আছে। আচাৰৰ বৈলৌাও আলমাৰিতে আছে। তাৰ পৰা আনিব লাগিব।

মাকে আলমাৰী খোলাৰ যো-জা কৰিলে। পুতুলে হাত ধুম্প মাকৰ কাষ পালেহি। সি মাকক সুধিলে -- ‘মা মম্প আলমাৰিৌা খুলি দিব লাগিব নেকি ?’ পুতুলৰ কথা শুনাৰ লগে লগে মীনাম্প কলে -- ‘ম্পস, পুতুলে যেনিবা খুলিব পাৰিবহে! সি ছাবি ঘূৰাবতো নোৱাৰেম্প, গধুৰ দুৱাৰখনো খুলিব নোৱাৰিব।’ তেতিয়া পুতুলে কলে -- ‘ৰীণা বাম্পদেৱেও খুলিব নোৱাৰিব।’

মাকে ম্পতিমধ্যে বিচনাৰ তলৰ পৰা ছাবি কোচা উলিয়ালে। আলমাৰিৰ চাৰিপাত ঘূৰাম্প পকাম্প চালে। চাৰিপাত বেঁকা হৈ আছে। এম্পবাৰ তেওঁ গিৰিয়েকক বিচাৰিলে। এম্পবোৰ কাম তেওঁহে কৰিব পাৰে। কিন্তু তেওঁ তেতিয়া ঘৰত নাছিল। গতিকে ছাবিও ঠিক নহ’ল, আলমাৰিও খুলিব নোৱাৰিলে। মীনাম্প কৌাচামুচ নাপালে, পুতুলে সৰু-কাঁহীও নেদেখিলে। সকলোৱে তেনেকৈয়ে দুপৰীয়াৰ ভাত-গৰাহ খালে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
তেতেলী	इमली
অলপ	थोड़ा सा
আচাৰ	अचार
কাঁম্পৌ	काँटा
পেলাবৰ বাবে	फेंकन के लिए
কাঁহী	थाली
চামুচ	चम्मच
আলমাৰি	अलमारी
যো-জা	तैयारी
যেনিবা	मतलब, जैसे
	चाबी

ছাবি

গধুৰ

টানিব নোৱাৰিব

বিচনা

ঘূৰাম্প-পকাম্প

বেঁকা

वजनदार

खींच नहीं सकेगा

बिस्तर

घुमाफिरा कर

तिरछा

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. মীনাক কি লাগে?
2. ৰীণাম্প কি খাব খুজিছে?
3. পুতুলক কিয় কাঁহী লাগে?
4. ষ্টিলৰ থাল ক'ত আছে?
5. পুতুলে আলমাৰীৰ দুৱাৰখন কিয় টানিব নোৱাৰে?
6. পুতুল ৰীণাৰ ভায়েক নে ককায়েক?

II. विलोम शब्द लिखिए :

সৰু

গধুৰ

ওখ

অলপ

লাহে লাহে

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

মইঁ কালিলৈ মাজুলীলৈ যাব লাগিব। তাত মইঁ এজন মানুহক লগ ধৰিব লাগিব। তেখেত আউনীআটি সত্ৰৰ সত্ৰাধিকাৰ। তেখেতৰ লগত মইঁ সত্ৰৰ বিষয়ে কথা পাতিব লাগিব। মইঁ সত্ৰৰ ওপৰত এটা অধ্যয়ন কৰি আছোঁ। তাৰ পৰা মইঁ কালিলৈ ঘূৰি আহিব লাগিব। পৰহিলৈ মইঁ মৰাণলৈ যাম। তাত মোৰ অলপ কাম কৰিবলগীয়া আছে।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मैं कल तुम्हारे घर नहीं आ पाऊँगा। कल मैं एक जरूरी काम से बड़ापानी जाऊँगा। बड़ापानी में मुझे किसी से मिलना है। बाद में वहीं एक वनभोज में शामिल होऊँगा। इसमें मेरे कुछ अन्य दोस्त भी शामिल होंगे। वनभोज के बाद सब लोग नाचेंगे-गाएँगे। बड़ा मज़ा आएगा। मैं कविता सुनाऊँगा। सब लोग वाह-वाह करेंगे। शाम तक हमलोग वापस लौट आएँगे।

V. ‘मेरी प्रिय पुस्तक’ पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. এই, সেই, সৌ : असमिया ‘एइ’ और ‘सेइ’ का प्रयोग हिन्दी भाषा के ‘यह - इस’ और ‘वह - उस’ के समान है। असमिया में ‘सौ’ का प्रयोग अधिक दूरी के लिए होता है।

2. ‘-इব’ का प्रयोग : जिस तरह हिन्दी में *खाने के लिए, जाने के लिए* आदि का प्रयोग होता है असमिया में यह ‘-इব (-इब)ৰ কাৰণে’ जोड़कर किया जाता है।

আহ্ + -इব + ৰ >	আহিবৰ কাৰণে	आने के लिए
শিক্ + -इব + ৰ >	শিকিবৰ কাৰণে	सीखने के लिए
খা + -ব + ৰ >	খাবৰ কাৰণে	खाने के लिए

3. ‘লাগ’ क्रिया : (क) हिन्दी ‘चाहिए’ की तरह असमिया ‘লাগ’ क्रिया का भी दो अर्थों में प्रयोग होता है -- (**i**) मूल क्रिया के रूप में (प्रयोजन के अर्थ में) और (**ii**) सहायक क्रिया के रूप में (उचितार्थ में) जैसे :

    (**i**) মোক কাপোৰ লাগে : मुझे कपड़ा चाहिए

(ii) ৰামে পঢ়িব লাগে : रामको पढ़ना चाहिए

(ख) इस पाठ में हिन्दी के 'करना होगा, देना होगा, देना पड़ेगा' आदि के अर्थ में असमिया रूप 'दिब लागिब, बहिब लागिब' आदि का प्रयोग दिखाया गया है। असमिया 'लाग' क्रिया का यह एक विशेष प्रयोग है। इस स्थिति में असमिया वाक्य में कर्ता का मूल रूप प्रयुक्त होता है, जबकि हिन्दी में कर्ता में कर्मकारक का ही रूप प्रयुक्त होता है। जैसे :

(i) আপুনি অলপ আগধন দিব লাগিব।
आपको थोड़ा अग्रिम देना होगा (पड़ेगा)।

(ii) আপুনি অলপ বহিব লাগিব।
आपको थोड़ा बैठना होगा।